विषय: आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में

" शख्सियत से मुलाकात "

दिनांक: 08-11- 2021

श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज की हिंदी साहित्य सभा 'मंथन' द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में शख़्सियत से मुलाक़ात नामक शृंखला अपनी अलग पहचान बना रही है। इस शृंखला का उद्देश्य समय-समय पर अलग-अलग क्षेत्रों के विशिष्ट व्यक्तियों से मुलाक़ात एवं परिचर्चा करना है। इसी क्रम में 'आज़ादी के अमृत महोत्सव' के अवसर पर 'मंथन' के सभी स्वयं सेवकों के सहयोग से 08-11-2021 को इस शृंखला के दूसरे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अतिथि रहे, कवि और कथाकार डॉ. टेकचन्द ।

इस कार्यक्रम का संचालन मंथन हिंदी साहित्य सभा के सदस्य शिवम राजपूत द्वारा किया गया। मंथन के संयोजक महेन्द्र प्रताप सिंह ने 'मंथन' का परिचय देते हुए वक्ता का स्वागत किया। उसके बाद शिवम द्वारा डॉ. टेकचंद सर के साथ सवालों का सिलसिला शुरू हुआ। डॉ. टेकचंद ने अपने बाल्यकाल, तात्कालिक परिवेश और उसे आज के परिवेश के साथ जोड़ते हुए विभिन्न साहित्यिक माहौल पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस प्रकार उनके बाल्यकाल में आत्मीयता का आधिक्य होने के कारण घर के आस-पास का पूरा क्षेत्र ही उसका घर होता था। अपनी साहित्यिक व शैक्षणिक यात्रा के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि उनकी पहली कविता 2004 में प्रकाशित हुई। जिसके बाद उनकी लेखनी को और अधिक उत्साह और परिमार्जन मिलता चला गया गया। जिसमें समाज में हो रहे स्त्रियों के साथ दुर्व्यवहार और समाज में दलित समुदाय की स्थिति जैसे विषय मुख्यतः कार्यक्रम का हिस्सा बने रहे।

मान्यवर द्वारा सभी प्रश्नों का जवाब बहुत ही सहज एवं सरल ढंग से दिया गया। 'मंथन' हिंदी साहित्य सभा के संयोजक महेन्द्र प्रताप सिंह एवं हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की प्रभारी डॉ. अंजु के अथक प्रयासों से कार्यक्रम सफल हुआ। हिंदी और हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के सभी प्राध्यापक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। अंत में शिवम द्वारा धन्यवाद कर कार्यक्रम का औपचारिक रूप से समापन किया गया।